RAWATSAR P.G. COLLEGE

'Sanskriti Ka Badlta Swaroop Aur AI Ki Bhumika' (SBSAIB-2025)

DATE: 25 January 2025

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)

Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

संस्कृति और नैतिकता के बदलते स्वरूप पर AI का प्रभाव

डॉ. एकता देवी, सहायक आचार्य, हिंदी, श्रीमती नर्बदा देवी बिहाणी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नोहर

डॉ. वीणा, सह आचार्य, रसायन शास्त्र, श्रीमती नर्बदा देवी बिहाणी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नोहर

शोध सार

AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) वह तकनीक है जो मशीनों और कंप्यूटर को इंसानी तरीके से सीखने, समझने, समस्या समाधान, निर्णय लेने, रचनात्मकता और स्वायत्तता का अनुकरण करने में योग्य बनाती है। AI से युक्त एप्लिकेशन और डिवाइस वस्तुओं को देख और पहचान सकते हैं। वे मनुष्य की भाषा को समझकर उस पर अपनी प्रतिक्रिया दे सकते हैं। वे नई जानकारी और अनुभव से सीख सकते हैं। वे उपयोगकर्ताओं और विशेषज्ञों को विस्तृत सिफारिशें कर सकते हैं। वे स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकते हैं, जिससे मानवीय बुद्धिमत्ता या हस्तक्षेप की आवश्यकता समाप्त हो जाती है जैसे स्व-चालित कार इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है।AI तेजी से भविष्य की अवधारणा से हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बन गया है जिसमें जीवन जीने की कला में क्रांति ला दी है और सामाजिक मानदंडों को नया आकार दिया है। AI का सांस्कृतिक प्रभाव गहरा है या प्रभावित करता है कि हम ख़ुद को कैसे देखते हैं तकनीक के साथ कैसे बातचीत करते हैं और अपनी पहचान कैसे बनाते हैं। AI के गणित सामग्री से लेकर हमारे दैनिक जीवन से जुड़ी लोकप्रिय संस्कृति में इसका चित्रण तक AI और संस्कृति का प्रतिच्छेदन समाज के ताने बाने को नया आकार व नया आयाम दे रहा है । दूसरी तरफ संस्कृति किसी राष्ट्र या समाज की अमूल्य सम्पत्ति होती है। युग युगान्तर के अनवरत अध्यवसाय, प्रयोग, अनुभवों का खजाना है संस्कृति। यह किसी एक व्यक्ति के प्रयत्नों का परिणाम नहीं हैं या किसी एक युग की ही उपज नहीं होती है बल्कि मनुष्य और परिवार, काल कवलित होते हैं चले जाते हैं, समाज बनते हैं और बिगड़ते हैं किंतु संस्कृति न तो एक युग में बन जाती है और न बिगड़ती ही है। वह युगों-युगों की गोद में पलती है उसके पन्नों में अनेकों उत्थान, पतन,आघात, अवरोधों का इतिहास होता है। नैतिकता शब्द लैटिन 'मोरालिटास' से लिया गया है, जिसका अर्थ है "तरीका, चरित्र, उचित व्यवहार।" किसी निश्चित दर्शन, धर्म या संस्कृति से व्यवहार संहिता से आने वाले नियमों या सिद्धांतों के समूह को नैतिकता कहा जा सकता है, या यह किसी ऐसे मानक से आ सकता है जिसे कोई व्यक्ति सभी पर लागू करना चाहता है। नैतिकता के साथ "अच्छाई" या "सहीपन" को स्पष्ट रूप से जोड़ना भी संभव है। संस्कृति और नैतिकता वर्तमान युग में तेज़ी से बदल रही है और इसके बदलते स्वरूप पर AI अपना पूर्ण प्रभाव दिखा रहा है। कहीं संस्कृति और नैतिकता पर AI का सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है तो तो कहीं संस्कृति और नैतिकता पर AI अपना नकारात्मक प्रभाव भी डाल रही है।

बीज शब्द - नैतिकता, संस्कृति, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मस्तिष्क, कार्यक्षमता, वेशभूषा, संस्कार।

शोध आलेख - किसी भी देश की संस्कृति में बोलचाल, व्यवसाय, जीवनशैली,शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिकता इत्यादि जीवन के सब पहलू शामिल होते हैं।संस्कृति किसी देश, समाज या जाति

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

का प्राण है। वहीं से इन्हें जीवन मिलता है। किसी भी देश की सामाजिक प्रथायें, व्यवहार, आचार-विचार, पर्व, त्यौहार, सामुदायिक जीवन का सम्पूर्ण ढाँचा ही संस्कृति की नींव पर खड़ा रहता है। यह संस्कृति की अजस्र धारा जिस दिन टूट जाती है, उसी दिन से उस समाज का बाह्य ढाँचा भी बदल जाता है। संस्कृति के नष्ट होते ही किसी सभ्यता का भवन ही लड़खड़ा कर गिर जाता है। वहीं पर नैतिकता उन इरादों, निर्णयों और व्यवहारों के बीच अंतर करना है जिन्हें उचित और अनुचित के रूप में पहचाना जाता है। "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) ने हमारे जीवन के विभिन्न पहलुओं में क्रांति ला दी है, जिसका असर स्वास्थ्य सेवा, व्यवसाय और दैनिक बातचीत जैसे क्षेत्रों पर पड़ा है। डेटा का विश्लेषण करने, पैटर्न को पहचानने और स्वतंत्र निर्णय लेने की AI की क्षमता ने हमारे जीने और काम करने के तरीके को बदल दिया है। AI के उदय को बढ़ावा देने वाले प्रमुख कारकों में बढ़ी हुई कंप्यूटिंग शक्ति, अधिक डेटा उपलब्धता और मशीन लर्निंग में प्रगति शामिल हैं।"1. 2024 में AI ने बहुत अधिक ऊँचाईयों को छुआ है। इसमें अधिकांश AI से संबंधित सुर्खियाँ जनरेटिव AI में सफलताओं पर केंद्रित हैं। यह एक ऐसी तकनीक है जिससे मूल पाठ, चित्र, वीडियो और अन्य सामग्री बनाई जा सकती है। हमारी वर्तमान संस्कृति औद्योगिक संस्कृति है। औद्योगिक क्रांति ने उन्नीसवीं शताब्दी से ही संस्कृति पर अपना प्रभाव डालना शुरू कर दिया था और वर्तमान में इक्कीसवीं सदी में यह अपने उच्च शिखर पर है। वर्तमान संस्कृति के अंदर औद्योगिक विकास को शामिल किए बिना हम आज की संस्कृति को समझ ही नहीं सकते हैं।औद्योगिक विकास में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अपना सकारात्मक प्रभाव बढ़ा रहा है। "उद्योग वैश्विक उत्सर्जन के एक बड़े हिस्से के लिए जिम्मेदार हैं। एआई औद्योगिक प्रक्रियाओं को अनुकूलित कर सकता है, ऊर्जा की खपत और बर्बादी को कम कर सकता है। उदाहरण के लिए, एआई-संचालित पूर्वानुमानित रखरखाव उपकरण विफलताओं को रोक सकता है, ऊर्जा की बर्बादी को कम कर सकता है और मशीनरी के जीवनकाल को बढ़ा सकता है। एआई द्वारा सुगम आपूर्ति श्रृंखला अनुकूलन, रसद को सुव्यवस्थित कर सकता है, परिवहन उत्सर्जन को कम कर सकता है और पैकेजिंग अपशिष्ट को कम कर सकता है।"2. वर्तमान समय में अधिकांश जनता का गाँव की ओर से शहरों की ओर पलायन हो रहा है। शहरी संस्कृति का प्रचलन बढ़ता जा रहा है। इसका एक मुख्य कारण शहरों में रोज़गार की उपलब्धता है।शहरों के उचित ढंग से बसने में भी AI अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। "AI जलवायु-लचीले शहरी वातावरण के विकास में सहायता कर सकता है। जनसंख्या वृद्धि, जलवायु डेटा और बुनियादी ढाँचे की स्थितियों का विश्लेषण करके, AI शहरी नियोजन निर्णयों को सूचित कर सकता है, जैसे कि बाढ़ या गर्मी की लहरों से प्रभावित क्षेत्रों की पहचान करना। इसके अतिरिक्त, एआई इमारतों में ऊर्जा खपत को अनुकूलित कर सकता है, अपशिष्ट को कम कर सकता है और परिवहन प्रणालियों में सुधार कर सकता है।"3.जैसे-जैसे AI विकसित होता जा रहा है, यह बुद्धिमत्ता और मानवीय क्षमता की प्रकृति के बारे में दार्शनिक प्रश्न उठाता है। कृत्रिम सामान्य बुद्धिमत्ता की खोज पारंपरिक

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

सीमाओं को चुनौती देती है और इसके नैतिक, कानूनी और अस्तित्वगत निहितार्थों के बारे में चर्चाओं को जन्म देती है, जबकि इसका आगमन अनिश्चित है, इसके विकास के बारे में सक्रिय बातचीत पहले से ही चल रही है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक के आगमन ने हमारी संस्कृति के विभिन्न पहलुओं पर एक लहर जैसा प्रभाव डाला है, जिसका प्रभाव पेशेवरों, वकीलों और टेक्नोक्रेट्स पर समान रूप से पड़ा है। आधुनिक तकनीकों के आदी पेशेवर खुद को एक बदलती दुनिया में पाते हैं, जहाँ AI का प्रभाव तेजी से व्यापक होता जा रहा है।

वकील, विशेष रूप से, एआई के विनियामक निहितार्थों से जूझ रही हैं जो उभरते तकनीकी बाजार और इसकी कानूनी बारीकियों के अनुकूल होने की आवश्यकता को पहचानते हैं। टेक्नोक्रेजटिल तकनीकी मामलों में जटिल निर्णय लेने के लिए आधुनिक तकनीक पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं, उनके दृष्टिकोण में परिवर्तन का अनुभव कर रहे हैं। समाज में एआई का एकीकरण केवल एक क्षणिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह एक बदलाव है जिसके तत्काल, मध्यवर्ती और स्थायी सांस्कृतिक प्रभाव हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में व्यक्तियों के उन्नत प्रौद्योगिकी के प्रभाव के साथ जुड़ने और प्रतिक्रिया करने के तरीके को पुनः आकार देता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास ने नैतिकता के विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है, जिससे नैतिकता की परिभाषा और उसके अनुप्रयोग में बदलाव आ रहे हैं।AI सिस्टम्स द्वारा लिए गए निर्णयों की पारदर्शिता सुनिश्चित करना एक प्रमुख नैतिक चुनौती है। जैसे-जैसे AI स्वायत्त निर्णय लेने में सक्षम हो रहा है, यह आवश्यक हो गया है कि उसके निर्णय लेने की प्रक्रिया स्पष्ट और समझने योग्य हो, ताकि किसी भी त्रुटि या पूर्वाग्रह की स्थिति में उत्तरदायित्व निर्धारित किया जा सके। AI के लिए बड़े पैमाने पर डेटा की आवश्यकता होती है, जिसमें व्यक्तिगत और संवेदनशील जानकारी शामिल हो सकती है। इससे डेटा गोपनीयता और सुरक्षा के मुद्दे उत्पन्न होते हैं, जिनका समाधान नैतिक दृष्टिकोण से करना आवश्यक है। AI एल्गोरिदम में निहित पूर्वाग्रह समाज में असमानता को बढ़ा सकते हैं। इसलिए, AI सिस्टम्स के विकास और कार्यान्वयन में निष्पक्षता सुनिश्चित करना नैतिकता का एक महत्वपूर्ण पहलू है। AI के कारण स्वचालन में वृद्धि से रोजगार के अवसरों में कमी आ सकती है, जिससे सामाजिक और आर्थिक असमानताएँ बढ़ सकती हैं। इसलिए, AI के कार्यान्वयन के दौरान इसके सामाजिक प्रभावों पर विचार करना नैतिक दृष्टिकोण से आवश्यक है। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, AI के विकास और उपयोग में नैतिकता के बदलते स्वरूप को समझना और उसे समाहित करना महत्वपूर्ण है, ताकि तकनीकी प्रगति के साथ-साथ समाज में नैतिक संतुलन बना रहे। "नैतिकता को रोबोट या AI-संचालित सरकारी निर्णयों के लिये स्पष्ट नियमों में रूपांतरित करने का प्रयास एक चुनौतीपूर्ण कार्य के रूप में उजागर किया गया है। मानवीय नैतिकताएँ अत्यंत जटिल प्रकृति रखती हैं और इन जटिल विचारों को कंप्यूटर निर्देशों में सुसंगत करना कठिन है।"4. AI को इस तरह विकसित किया गया है कि वह मनुष्य द्वारा

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

किए जाने वाले लगभग समस्त कार्यकलापों को संपादित कर सकती है लेकिन जहाँ किसी भी मनुष्य की उसके द्वारा किये गए समस्त कार्यों के प्रति जवाबदेही होती है ऐसे AI की जवाबदेही नहीं होती है। "AI प्रणाली में कुछ गड़बड़ी होने पर ज़िम्मेदारी का निर्धारण करना कठिन सिद्ध हो सकता है, विशेष रूप से जब इसमें जटिल एल्गोरिदम और निर्णय लेने की प्रक्रिया शामिल हो। कई AI प्रणालियों की आंतरिक कार्यप्रणाली प्रायः अपारदर्शी होती है, जिससे यह समझना कठिन हो जाता है कि निर्णय किस प्रकार लिये जा रहे हैं। पारदर्शिता की इस कमी से उपयोगकर्त्ताओं के बीच अविश्वास और संदेह उत्पन्न हो सकता है।"5. निःसंदेह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज के समय की महत्ती उपलब्धियों में से एक है, लेकिन इसमें नैतिकता का होना भी अति आवश्यक है। "AI में नैतिकता का मतलब है कि AI सिस्टम्स को डिजाइन करते समय उन निर्णयों और कार्यों का ध्यान रखना जो मानवता और समाज पर प्रभाव डाल सकते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि AI सिस्टम्स स्वच्छ, निष्पक्ष, पारदर्शी, और जिम्मेदार तरीके से काम करें। AI को मानवीय मूल्यों और सामाजिक लाभ के लिए डिजाइन किया जाना चाहिए, ताकि यह किसी भी रूप में हानिकारक या भेदभावपूर्ण ना हो।"6. AI में नैतिकता के निर्वहन के साथ साथ ज़िम्मेदारी का निर्वहन भी अत्यंत आवश्यक है क्योंकि ज़िम्मेदारी ही AI में नैतिकता और उसकी भूमिका को अच्छी तरह से निभाने के लिए अपना योगदान दे सकती है। "AI की जिम्मेदारी का मतलब है कि AI सिस्टम्स को डिजाइन, उपयोग और निगरानी करते समय उनके प्रभाव और परिणामों का ध्यान रखना चाहिए। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि AI का उपयोग समाज के लाभ में हो, और इसके नकारात्मक प्रभावों को कम किया जाए।" 7.

निष्कर्ष - इस तरह से हम देखते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का हमारी संस्कृति और नैतिकता पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है, जो समाज के विभिन्न पहलुओं में परिवर्तन ला रहा है। AI के माध्यम से स्वचालित रूप से संगीत, कला, और साहित्य का निर्माण संभव हो गया है, जिससे रचनात्मकता की पारंपरिक परिभाषा में बदलाव आ रहा है। साथ ही, AI एल्गोरिदम द्वारा क्यूरेट की गई सामग्री हमारे उपभोग के तरीकों को भी प्रभावित कर रही है ।AI सिस्टम्स के लिए बड़े पैमाने पर डेटा की आवश्यकता होती है, जिससे व्यक्तिगत गोपनीयता और डेटा स्वामित्व के मुद्दे उत्पन्न हो रहे हैं। व्यक्तियों द्वारा उत्पन्न डेटा का स्वामित्व एक जटिल कानूनी और नैतिक मुद्दा है। जैसे-जैसे AI सिस्टम उपयोगकर्ता-जनित सामग्री पर अधिक निर्भर होते जा रहे हैं, यह सवाल खड़ा होता है कि उस डेटा का स्वामी कौन है और उसका उपयोग कैसे किया जाना ।AI के कारण स्वचालन में वृद्धि से कई उद्योगों में रोजगार के अवसरों में कमी आ सकती है, जिससे आर्थिक असमानताएँ बढ़ सकती हैं और समाज में नैतिक चिंताएँ उत्पन्न हो सकती हैं। इन प्रभावों को ध्यान में रखते हुए, यह आवश्यक है कि AI के विकास और कार्यान्वयन में नैतिकता और सांस्कृतिक संवेदनशीलता को प्राथमिकता दी जाए, ताकि तकनीकी प्रगति के साथ-साथ समाज में नैतिक संतुलन बना रहे।

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 8.152

संदर्भ सूची

1. अतिथि ब्लॉग, उद्योग जगत के विचार, सौम्यजीत चक्रवर्ती, 26 फ़रवरी 2024।
2. अतिथि ब्लॉग, उद्योग जगत के विचार, प्रीती गर्ग, 9 दिसंबर 2024।
3. अतिथि ब्लॉग, उद्योग जगत के विचार, प्रीती गर्ग, 9 दिसंबर 2024।
4. AI के नैतिक निहितार्थों का अन्वेषण (संपादकीय), दृष्टि The Vision, 26 अगस्त 2023
5. AI के नैतिक निहितार्थों का अन्वेषण (संपादकीय), दृष्टि The Vision, 26 अगस्त 2023
6. AI में नैतिकता और जिम्मेदारी, प्रदीप पाल, https://www.coinpur.in/?m=1, 16 दिसम्बर 2024।
7. AI में नैतिकता और जिम्मेदारी, प्रदीप पाल, https://www.coinpur.in/?m=1, 16 दिसम्बर 2024।

iajesm
Quality Of Work... Never Ended...